टिप्पण

:

तेजिंदर कौर
हिन्दू कन्या कॉलेज
कपूरथला

❖टिप्पण

टिप्पणी लेखन की कला, कार्य अथवा प्रक्रिया को टिप्पण कहते है ।

टिप्पण – लेखन की विधि

(i) विचारणीय विषय
(ii) विचारधीन विषय की पृष्ठभूमि
(iii) तदिवषयक विभिन्न दृष्टिकोण

(iv) तार्किक विश्लेषण

(v) सुनिश्चिंत सुझाव एवं निष्कर्ष ।

टिप्पणी के प्रकार

(क) नेमी टिप्पणियां

(ख) नियमित टिप्पणियां

नियमित टिप्पणियां भी दो प्रकार की होती है :

(i) अंतराविभागीय टिप्पणियां

(ii) अन्तर्विभागीय टिप्पणियां

अंतराविभागीय टिप्पणियां भी दो प्रकार की होती है :

- सहायक स्तर की टिप्पणियां
- अधिकारी स्तर की टिप्पणियां

टिप्पणी के अन्य प्रकार :

(i) सूक्ष्म टिप्पण

(ii) सामान्य टिप्पण

(iii) सम्पूर्ण टिप्पण

(iv) अनुभागीय टिप्पण

(v) नित्यक्रमिक टिप्पण
(vi) अनौपचारिक टिप्पण
(vii) आनुषंगिक टिप्पण

अच्छे टिप्पण की विशेषतायें

- समस्या का समाधान
- क्रमयुक्तता
- विषय का उपविभाजन एवं अनुच्छेदीकरण
- पुनरुक्ति का त्याग

- संक्षिप्तता एवं स्पष्टता
- व्यक्तिगत आक्षेपों से मुक्त
- संयत भाषा का प्रयोग
- आद्य हस्ताक्षर

निष्कर्षता : हिन्दी में कार्यालय हिन्दी का महत्वपूर्ण योगदान हैं जिसका हिन्दी के प्रचार एवं प्रसार में विशिष्ट स्थान हैं ।

धन्यवाद